मैथिली (प्रतिष्ठा)

बसंत कुमार

बी०ए०(H) पार्ट - I

अतिथि शिक्षक

पेपर - I

दिनांक 10-04

दिनांक 09-07-2020 क शेष 10/04

प्रकरण - विद्यापति

भावक रचना कयलनि, एहि सँ भारतीय आ मैथिल समाजक सांस्कृतिक दृष्टिसँ रक्षा भ'सकल। महाकवि संस्कृत आ अवहट्ठ मे रचना क' युग-युगसँ चलि अबैत परम्पराक पालन कयलनि। मैथिलीमे काव्यक रचनाक क्रान्तिकारक परिचय दयलनि। महाकवि एक संग परम्परावादी आ क्रान्तिकारी रचनाकारक परिचय दयलनि।

विद्यापतिक संस्कृतमे एगारह गोट रचना उपलब्ध ~~छनि~~। वर्षकृत्य, दानावाक्यावली, गंगावाक्यावली, गया पत्तलक, दुर्गाभक्तितरंगिणी, शैवसर्वस्वसार, भूपरिक्रमा, पुरुषपरीक्षा, विभागसार, लिखनावली, मणिमंजरी,

विद्यापतिक समस्त रचना संस्कृत, अवहट्ठ, आ मैथिलीमे अछि, विषय-वैविध्य एवं ज्ञान संकलनसँ युक्त हिनक रचनाकेँ ज्ञान-कोष कहल जाय त' अत्युक्ति नहि होयत।

महाकविक किछु एहन रचना अछि, जकर विशेष रूपसँ चर्चा एहि प्रकारेँ अछि